बिजली उत्पादन दोगुना करेगा यूपी : ऊर्जा मंत्री

- निवेशकों को गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों में निवेश को प्रोत्साहित किया
- सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन बढ़ाकर ऊर्जा विभाग के घाटे को पूरा किया जाएगा

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष-2070 तक जीरो नेट एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गैर-परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन बढ़ावा दे रही। इसके लिए रिन्युएवल एनर्जी के क्षेत्र में आने वाले निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा और निवेशकों व उद्योगपतियों को सहूलियतें भी प्रदान की जा रही हैं। इससे यूपी एनर्जी सरप्लस स्टेट बनेगा। वह रविवार को गोमतीनगर स्थित होटल ताज में यूपीनेडा व कृषि उद्यमी कृषक विकास चैम्बर के सहयोग से 'रिन्यूएबल एनर्जी अपॉर्चुनिटी इन यूपी' कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022 में सोलर पॉलिसी एवं बायो पॉलिसी जारी की जा चुकी है। शीघ्र ही ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी भी जारी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता ने बताया गया कि बुंदेलखण्ड में 04 हजार मेगावाट सौर उत्पादन के लिए ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर का निर्माण कराया जा रहा है। इस अवसर पर सोलर समाधान पोर्टल लांच किया गया। केस्को, यूपीनेडा, यूपीएसएलडीसी को पुरस्कृत किया गया। राज्यमंत्री ऊर्जा डा. सोमेन्द्र तोमर, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, आईआईटी दिल्ली के प्रो. विरेन्द्र कुमार विजय, यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला, पावर कॉरपोरेशन के एमडी, पावर ट्रांसमिशन के एमडी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।